सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 26 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 89, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

जब राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, सनातन धर्म तभी सेफ

इनसाइड केडीए में 'प्रापर्टी मैनेजमेंट साटवेयर' लॉन्च... » Pg04

» Pg12

राणा सांगा पर टिप्पणी को लेकर बवाल

रामजीलाल सुमन के घर करणी सेना का हमला

कार्यकर्ताओं ने की तोड़फोड़, पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल, पुलिस ने सपा सांसद के आवास बाहर बुलडोजर रोका, झड़प

बयान पर घमासान

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। राणा सांगा पर टिप्पणी को लेकर आगरा में बवाल हो गया है। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार को करणी सेना के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने धावा बोल दिया। सांसद के घर पर खड़ी कई गाड़ियों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। पथराव में सांसद के घर के खिड़की दरवाजे क्षतिग्रस्त हो गए और शीशे टूट गए हैं। पुलिस ने आक्रोशित करणी सेना कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश की तो

» पुलिस टीम पर हमला, इंस्पेक्टर घायल।

पुलिस पर ही हमला कर दिया गया। इससे इंस्पेक्टर हरी पर्वत सहित आधा दर्जन पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। पुलिस ने लाठीचार्ज कर किसी तरह सभी को खदेड़ा। कई लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। इलाके को छावनी बना दिया गया है। कई थानों की फोर्स पहुंच गई है।

रामजीलाल सुमन ने राज्यसभा में राणा सांगा को लेकर बयान दिया था। इसको लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बुधवार को बड़ी संख्या में करणी सेना के पदाधिकारी और सदस्य एत्मादपुर के कुबेरपुर पहुंचे। 12.15 बजे बुलडोजर पर सवार होकर करणी सेना के पदाधिकारी और सदस्य राज्यसभा सदस्य सुमन के घर की ओर निकले।

आगरा- दिल्ली हाईवे पर वे आगे बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों की संख्या कम होने के कारण करणी सेना का काफिला नहीं रुका। इसके बाद पुलिस ने कई स्थानों पर बैरियर लगाकर रोकने का भी प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

बढ़ी सुरक्षा

ऐसे में पुलिस ने रामलीलाल सुमन के घर की सुरक्षा बढ़ा दी। एक गेट को बंद कर दिया गया है। वहां भी पुलिस फोर्स तैनात है। दूसरे गेट के पास बैरियर लगाकर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। करणी सेना को रोकने के लिए वाटरवर्क्स समेत अन्य कई स्थान पर भी बैरियर लगाए गए, लेकिन सभी बैरियर से करणी सेना निकलती हुई दोपहर 1.30 बजे सुमन के आवास पर पहुंच गई। पुलिस ने बुलडोजर को बाहर ही रोक लिया। इसके बाद कुछ युवक गेट से जबर्दस्ती अंदर घुस गए और तोड़फोड़ शुरू कर दी।

गाड़ियों के शीशे तोड़े

उग्र युवकों ने रामजीलाल सुमन के एचआइजी फ्लैट्स संजय प्लेस के बाहर खड़ी सात-आठ गाड़ियों के शीशे तोड़ने के साथ ही आवास में भी तोड़फोड़ की। वहां रखी कुर्सियां भी तोड़ दीं। पुलिस ने लाठी फटकार कर युवकों को खदेड़ने का प्रयास किया, लेकिन युवक अभी तक मौके पर ही नारेबाजी कर रहे हैं। पुलिसकर्मी इस घटना में घायल हुए हैं।

सीएम शहर में, इधर तोड़फोड़

करणी सेना ने वो समय चुना, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शहर में हैं। वे दरियानाथ मंदिर के कार्यक्रम में थे। तभी करणी सेना के सदस्यों और पदाधिकारियों ने राज्यसभा सदस्य के घर पर पहुंचकर तोड़फोड़ की। इससे पुलिस के होश उड़ गए।

दिल्ली हाईवे जाम

राणा सांगा पर सपा के राज्यसभा सांसद द्वारा दिए गए विवादित बयान को लेकर आगरा में हंगामा मचा हुआ है। एक तरफ सांसद के आवास पर हमला बोल दिया गया, तो वहीं दूसरी ओर दिल्ली हाईवे पर करणी सेना ने जाम लगा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गए। पुलिस के साथ यहां जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने बमुश्किल स्थिति पर काबू पाया।

योगी सरकार के 8 साल पूरे होने पर गिनाई उपलब्धियां

» पहले प्रदेश में गुंडागर्दी, अराजकता और दबंगई का माहौल था लेकिन आज सुशासन, बेहतर कानून व्यवस्था बोलबाला है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के सभागार में योगी सरकार के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय द्वारा सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान योजना वह अन्य योजनाओं के अंतर्गत ऋण वितरण के साथ-साथ स्मार्टफोन एवं टेबलेट वितरण और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा लाभार्थियों को टैबलेट,स्मार्ट फोन व ऋण इत्यादि का वितरण किया गया इस अवसर पर मंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि आज प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष पूरे हुए, जो प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व ने कर दिखाया। आज देश और उत्तर प्रदेश पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाए हुए हैं। उक्त के नेतृत्व में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जा रही है।पहले प्रदेश में गुंडागर्दी, अराजकता और दबंगई का माहौल था लेकिन आज सुशासन, बेहतर कानून व्यवस्था बोलबाला है प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का नेतृत्व व विचारधारा के द्वारा राष्ट्र को विश्व पटल पर सर्वोच्च शिखर तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है।

पहले की शिक्षा प्रणाली दोषपूर्ण और तकनीकि से बहुत दूर थी। आज मा. प्रधानमंत्री व मा. मुख्यमंत्री द्वारा रोजगार परक शिक्षा के साथ -साथ उसे तकनीकि व संस्कारों से जोड़ा जा रहा है।इसी क्रम में आज स्मार्टफोन व टैबलेट का का वितरण कर युवाओं को बेहतर टेक्नोलॉजी के साथ शिक्षा प्रदान करने में सहायता दी जा रही है।यह विडंबना है

कि आज कुछ लोग औरंगजेब का महिमामंडन कर रहे हैं जबकि वह एक आतताई शासक था। ऐसे लोग जो ऐसे शासक की सराहना कर रहे हैं, वे देश को रसातल पर ले जाने का काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा, राणा सांगा,महाराणा प्रताप व शिवाजी के बारे में पढ़ाया जाना बहुत जरूरी है। जिस यूपी में कभी कर्फ्यू और माफियाओं का बोलबाला था, आज वहां शांति और सुशासन है। आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है जिसने हाल ही में ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है।आज देश विकसित राष्ट्र की श्रेणी में खड़ा है, जो डबल इंजन की सरकार की नीतियों व बेहतर क्रियान्वयन से संभव हो सका है

कर रही है। वहीं,उच्च शिक्षा मंत्री के नेतृत्व में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग किया जा रहे हैं इसी का परिणाम

विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आज सुशासन वी अवसर की समानता जन -जन को प्राप्त हो रहा है।2017 में प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार मुक्त सरकार व कार्य प्रणाली को अपनाकर लगातार जन सेवा कि आज विवेकानंद

योजना के अंतर्गत टेबलेट वितरण किया जा रहा है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि आज कानपुर में प्रदेश सरकार के सेवा,सुरक्षा और सुशासन के आठ वर्ष पूरे हुए। जिस उपलक्ष्य में आज कार्यक्रम विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ये आयोजन देश के भविष्य को तैयार करने के आयोजन है। इससे देश का युवा को प्रगतिशील व विज्ञानोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था देकर उनका सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। जनपद कानपुर नगर में विगत वर्षों में 2 लाख टैबलेट व स्मार्टफोन वितरण किया जा चुके हैं। कानपुर उद्योग नगरी है, जिसका पुराना गौरव वापस लाने में प्रदेश व केंद्र सरकार का महत्वपूर्ण योगदान है।आज विभिन्न कंपनियां प्रदेश में निवेश करने को लालायित हैं, जो प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व की देन है। 2017 के बाद से यूपी में कई एक्सप्रेस में बनाए जा चुके हैं और कई निर्माणाधीन हैं।साथ ही, छह इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी संचालित है और अन्य निर्माणाधीन हैं।

डीएसओ ने कहा कि कोटेदार पर होगी कड़ी कार्रवाई

जांच के लिए आरओ को निर्देशित किया गया है
पश्चिम कानपुर के कल्यानपुर बारासिरोही इलाके का अरुण मिश्रा
कोटेदार राशन में मिला रहा है मौरंग
खबर प्रशासन के बाद राशन माफिया की खुली पोल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

FOLLOW UP

कानपुर बीते दिन दैनिक स्वराज इंडिया में प्रकाशित एक खबर ने कानपुर जिले में चल रहीं सरकारी राशन की दुकानों में मानो भूचाल ला दिया। खबर पश्चिम कानपुर के कल्यानपुर बारासिरोही इलाके से जुड़ी थी जहां अरुण मिश्रा कोटेदार अपनी मनमर्जी के आधार पर सरकारी राशन की दुकान चला रहा था और गेहूं के साथ भारी मात्रा में मौरंग मिलाकर ग्राहकों को राशन बांट रहा था। शुरुआत में ग्राहकों के विरोध का कोई असर इस भ्रष्ट तंत्र के कारण नहीं नज़र आया परंतु बीते दिन इस मामले को पुख्ता प्रमाणों के साथ स्वराज इंडिया दैनिक अखबार में खबर के तौर पर प्रकाशित किया गया उसके बाद जिले के आला अधिकारी अब इस भ्रष्ट कोटेदार के खिलाफ हरकत में आ चुके हैं।

मामले ने जब तूल पकड़ना शुरू किया तो डिस्ट्रिक्ट सप्लाई ऑफीसर(डीएसओ) राकेश

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
सरकारी राशन में मौरंग की भारी मिलावट, जिम्मेदार अनजान
शिकायतकर्ताओं के आरोप, कई बार शिकायत की लेकिन कुछ नहीं हुआ

कुमार ने कहा कि यह गंभीर कृत्य है,जांच के आदेश दे दिए गए । कोटेदार खिलाफ कार्रवाई होगी।

संदिग्धता प्रकट कर रही थी कोटेदार की बातचीत

स्वराज इंडिया की टीम के द्वारा जब कोटेदार अरुण मिश्रा से संपर्क साध कर मामले की पड़ताल की गई तो कोटेदार के द्वारा अपने पत्रकारिक परिचितों का दबाव डालने का प्रयास किया गया उसके बाद भी जब स्वराज इंडिया के संवाददाता ने स्वयं पर दबाव महसूस नहीं किया तो कोटेदार के द्वारा बताया गया कि उसके कोटे में गेहूं के अंदर मौरंग निकलने की शिकायत डिस्ट्रिक्ट सप्लाई ऑफीसर को लिखित तौर पर की गई है इस बात पर जब संवाददाता के द्वारा लिखित तौर पर की गई शिकायत की एक प्रतिलिपि मांगी गई तो कोटेदार ने प्रतिलिपि देने से साफ तौर पर इंकार कर दिया और कहा कि अधिकारी नाराज़ हो जाएंगे आप हमारे पास आकर देख लीजिए। इन सभी बातों के आधार पर जब ग्राहकों से संपर्क साध कर पेचीदगी से मामले को खंगाला गया तो सारी काली सच्चाई सामने आ गई।

KK HOSPITAL & RESEARCH CENTER

हमारे चिकित्सालय में उपलब्ध सेवाएँ निम्नवत हैं
- सभी सुविधाओं से युक्त ऑपरेशन थियेटर।
- पूर्णतया स्वच्छ वार्ड।
- नार्मल डिलीवरी व ऑपरेशन द्वारा प्रसव की सुविधा।
- अनुभवी डॉक्टरों द्वारा सम्पूर्ण इलाज।
- हड्डी के ऑपरेशन की सुविधा।
- जनरल सर्जरी की सुविधा।
- गुर्दे की पथरी का इलाज / पित्त की पथरी का आपरेशन
- हाइड्रोसील/हार्निया/बवासीर का आपरेशन
- सभी प्रकार की जांचों की सुविधा
- अनुभवी विशेषज्ञ हर समय उपलब्ध

ICU/NICU/Emergency की सुविधा 24x7 उपलब्ध
Contact No.: 7860510757
Dr. A.R. Katiyar
(MBBS, FEM MIMA)

केडीए में "प्रापर्टी मैनेजमेंट साफ्टवेयर" लॉन्च

आवंटी इस साफ्टवेयर में लॉग-इन आई0डी0/मोबाइल नम्बर के माध्यम से लॉग-इन कर अपनी सम्पत्ति के बावत रियल टाइम जानकारी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण के आवंटियों की सुविधाओं हेतु एक नया "प्रापर्टी मैनेजमेण्ट साफ्टवेयर" किया गया लांच/प्रारम्भ मदन सिंह गर्ब्याल, उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण द्वारा आवंटित सम्पत्तियों के आवंटियों को समस्त सुविधायें घर बैठे दिये जाने हेतु एक नया "प्रापर्टी मैनेजमेण्ट साफ्टवेयर" विगत कई माहों से तैयार कराया जा रहा था, बुधवार को प्राधिकरण सभाकक्ष में उनके द्वारा लांच/प्रारम्भ किया गया।

प्राधिकरण के आवंटियों को अपनी आवंटित सम्पत्ति के बावत प्रत्येक कार्य यथा जमा की गयी धनराशि, बकाया धनराशि आदि की जानकारी हेतु प्राधिकरण में भौतिक रूप से आकर प्रार्थना पत्र देना पड़ता था, जिस पर कार्यवाही किये जाने में प्राधिकरण अधिकारियों/कर्मचारियों को काफी समय लगता था। उपाध्यक्ष द्वारा आम जनमानस/आवंटियों की इन समस्याओं का संज्ञान लेते हुये इसके समाधान हेतु सकारात्मक प्रयास करते हुये ''प्रापर्टी मैनेजमेण्ट साफ्टवेयर'' तैयार कराया गया।

इस साफ्टवेयर का ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा, प्राधिकरण का आवंटी इस साफ्टवेयर पर अपनी लॉग-इन आई0डी0/मोबाइल नम्बर के माध्यम से लॉग-इन कर अपनी सम्पत्ति के बावत लगभग समस्त जानकारी यथा आवंटन पत्र की डुप्लीकेट प्रति, जमा की गयी धनराशि, बकाया धनराशि आदि स्वयं देख सकेगा, जिसके आधार पर आवंटी बकाया धनराशि आनलाइन अथवा चालान जनरेट कर एच0डी0एफ0सी0 बैंक में जमा कर सकेगा। धनराशि जमा करते ही सॉफ्टवेयर पर यह धनराशि भी रियल टाइम में अपडेट हो जायेगी।

इस साफ्टवेयर का लाभ यह होगा कि एक ओर तो प्राधिकरण के आवंटी को उपरोक्त जानकारी हेतु प्राधिकरण में किसी प्रार्थना पत्र देने की आवश्यकता ही नहीं होगी, वहीं दूसरी ओर प्राधिकरण के अधिकारियों/कर्मचारियों को भी अत्यधिक सुविधा मिलेगी, उनको इस हेतु कोई पत्रावली संचालित नहीं करनी होगी।

आवंटी के जिन कार्यो में प्राधिकरण के 03 विभाग विक्रय विभाग, कम्प्यूटर विभाग, लेखा विभाग होते थे, अब वह काम लगभग स्वतः संचालित होगा।प्राधिकरण को किसी भी योजना/सम्पत्ति के विरूद्ध बकाया धनराशि की रियल टाइम जानकारी रहने पर प्राधिकरण की आय में भी निःसंदेह वृद्धि होगी।प्राधिकरण द्वारा सर्वप्रथम शताब्दी नगर योजना जिसकी लॉटरी अभी कुछ दिवसों पूर्व सम्पादित हुई है, हेतु यह सॉफ्टवेयर लागू किया जा रहा है। कुछ ही समय में प्राधिकरण की अन्य योजनाओं में भी यह साफ्टवेयर लागू कर दिया जायेगा। मदन सिंह गर्ब्याल, उपाध्यक्ष, कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्राधिकरण द्वारा आवंटित सम्पत्तियों के आवंटियों को समस्त सुविधायें घर बैठे दिये जाने हेतु एक नया ''प्रापर्टी मैनेजमेण्ट साफ्टवेयर'' विगत कई माहों से तैयार कराया जा रहा था, जिसे आज प्राधिकरण सभाकक्ष में उनके द्वारा लांच/प्रारम्भ किया गया। यह साफ्टवेयर प्राधिकरण द्वारा एच0डी0एफ0सी0 बैंक से एम0ओ0यू0 कर तैयार कराया गया है। साफ्टवेयर डेवलपर कम्पनी द्वारा उपाध्यक्ष, सचिव, वित्त नियंत्रक एवं विक्रय अधिकारियों के समक्ष साफ्टवेयर का प्रेजेन्टेशन किया गया।प्राधिकरण के आवंटियों को अपनी आवंटित सम्पत्ति के बावत प्रत्येक कार्य यथा जमा की गयी धनराशि, बकाया धनराशि आदि की जानकारी हेतु प्राधिकरण में भौतिक रूप से आकर प्रार्थना पत्र देना पड़ता था, जिस पर कार्यवाही किये जाने में प्राधिकरण अधिकारियों/कर्मचारियों को काफी समय लगता था। उपाध्यक्ष द्वारा आम जनमानस/आवंटियों की इन समस्याओं का संज्ञान लेते हुये इसके समाधान हेतु साकारात्मक प्रयास करते हुये ''प्रापर्टी मैनेजमेण्ट साफ्टवेयर'' तैयार कराया गया। इस साफ्टवेयर का ंबबमे प्राधिकरण आवंटियों के लिये ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा, प्राधिकरण का आवंटी इस साफ्टवेयर पर अपनी लॉग-इन आई0डी0/मोबाइल नम्बर के माध्यम से लॉग-इन कर अपनी सम्पत्ति के बावत लगभग समस्त जानकारी यथा आवंटन पत्र की डुप्लीकेट प्रति, जमा की गयी धनराशि, बकाया धनराशि हेतु कैलकुलेशन आदि स्वयं देख सकेगा, जिसके आधार पर आवंटी बकाया धनराशि ऑनलाइन अथवा चालान जनरेट कर एच0डी0एफ0सी0 बैंक में जमा कर सकेगा। धनराशि जमा करते ही सॉफ्टवेयर पर यह धनराशि भी रियल टाइम में अपडेट हो जायेगी।

आवंटियों को मिलेंगे लाभ होगें

1. प्राधिकरण का आवंटी घर बैठे प्रापर्टी से रिलेटेड जानकारी यथा जमा की गयी धनराशि, बकाया धनराशि, ब्याज, दण्ड ब्याज आदि स्वयं देख सकेगा।
2. आवंटियों को बकाया किश्तें जमा किये जाने हेतु ऑटोमेटेड पेमेण्ट एलर्ट हेतु उसके रजिस्टर्ड मोबाइल नं0 पर एस0एम0एस0 जायेगें।
3. प्राधिकरण एवं आवंटी दोनों को सम्पत्ति के बावत त्रुटिरहित वित्तीय ट्रैकिंग उपलब्ध होगी।
4. प्राधिकरण को डिफाल्टर आवंटियों के बारे में रियल टाइम जानकारी रहेगी।
5. प्राधिकरण को इस साफ्टवेयर में समस्त जानकारी फीड होने के कारण रिक्त प्रापर्टी की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी।
6. कम्प्यूटराइज्ड सिस्टम होने के कारण गलती की सम्भावना नगण्य होगी।
7. प्राधिकरण के कई विभागों एवं कई कर्मचारियों का कार्य साफ्टवेयर के माध्यम से संचालित होने के कारण इन विभागों एवं कर्मचारियों के समय का सदुपयोग अन्य कार्यो में किया जा सकेगा।
8. प्राधिकरण की आय में काफी वृद्धि सम्भावित है।

उपाध्यक्ष के समक्ष किये गये प्रेजेन्टेशन में प्राधिकरण के समस्त उच्चाधिकारी अभय कुमार पाण्डेय, सचिव, सुशील कुमार, वित्त नियंत्रक,अजय कुमार, ओ0एस0डी0, रवि प्रताप सिंह, ओ0एस0डी0, सत शुक्ला, ओ0एस0डी0, श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता, ओ0एस0डी0, अमनदीप तिवारी, सहायक अभियन्ता एवं प्राधिकरण के विक्रय अनुभाग का स्टाफ उपस्थित रहे।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर मिली जौनपुर जिले की युवती

» घर से नाराज होकर युवती चली गई थी, सेंट्रल स्टेशन में जीआरपी ने किया बरामद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। स्वजन से नाराज युवती को कानपुर से बरामद किया गया। काल्पनिक नाम सपना निवासी जौनपुर उम्र लगभग 23 साल स्वजनों से डाट फटकार से नाराज होकर बीते साल नवंबर घर से चली गई थी। बीते मंगलवार को मुखबिर खास की सूचना पर थाना जीआरपी प्रभारी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व में क्यूआरटी टीम थाना जीआरपी व रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कानपुर सेन्ट्रल द्वारा संयुक्त अभियान में गुमशुदा महिला को स्टेशन परिसर प्लेटफार्म न.-1 से यात्रा के दौरान पूछताछ कर बरामद किया है। तलाश कर गुमशुदा युवती को स्वजनों को संपर्क कर युवती को स्वजनों के आने पर पुलिस की उपस्थिति में उक्त गुमशुदा को उनके स्वजनों को सुपुर्द किया गया। परिजन द्वारा जीआरपी पुलिस कानपुर सेन्ट्रल की इस सराहनीय कार्य के लिये भूरी भूरी प्रशंसा करते हुये धन्यबाद किया है।

सम्पादकीय

वृद्धि में नैसर्गिक न्याय का तकाजा

सोमवार को जारी संसदीय कार्य मंत्रालय द्वारा एक गजट नोटिफिकेशन के अनुसार सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के वेतन, भत्तों एवं पेंशन में एक अप्रैल 2023 से बढ़ोतरी की है। अब सांसदों का वेतन एक लाख से बढ़कर 1.24 लाख रुपये प्रतिमाह हो जाएगा। साथ ही दैनिक भत्ता दो हजार से ढाई हजार रुपये प्रतिदिन हो जाएगा। वहीं पूर्व सांसदों की पेंशन भी पच्चीस हजार से बढ़कर 31 हजार प्रतिमाह हो जाएगी। इसके साथ ही पांच साल से अधिक की सेवा के लिये सांसदों की अतिरिक्त पेंशन दो हजार से बढ़कर ढाई हजार रुपये हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सांसदों के वेतन व भत्तों में बदलाव अप्रैल 2018 में किया गया था। तर्क दिया जा रहा है कि माननीयों के वेतन में वृद्धि महंगाई और जीवन यापन की बढ़ती लागत के मद्देनजर की गई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 के परिवर्तन के अनुसार सांसदों को अपने क्षेत्र में ऑफिस चलाने और लोगों से मिलने-जुलने हेतु सत्तर हजार रुपये का भत्ता भी मिलता है। इसके अतिरिक्त उन्हें कार्यालय के व्यय हेतु साठ हजार रुपये महीना और संसद सत्र के दौरान हर दिन दो हजार रुपये का भत्ता भी मिलता है। कहा जा रहा है कि अब इन भत्तों में भी बढ़ोतरी होगी। उल्लेखनीय है कि माननीयों को हर साल फोन व इंटरनेट हेतु भत्ता, अपने परिवार के लिये 34 फ्री डोमेस्टिक फ्लाइट, निजी यात्रा के लिये रेल में प्रथम श्रेणी में यात्रा सुविधा, सड़क मार्ग से चलने पर ईंधन का खर्च व मुफ्त बिजली – पानी की सुविधा भी मिलती है। इसके अलावा सरकारी व निजी अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करायी जाती है। यदि किसी रोग का भारत में पर्याप्त इलाज संभव न हो तो सरकार विशेष स्थिति में विदेश में उपचार के खर्च की अनुमति दे सकती है। साथ ही सरकारी आवास की सुविधा और यदि आवास न लें तो घर का भत्ता माननीयों को मिलता है।

वहीं सरकार की दलील है कि वेतन-भत्तों में यह 24 फीसदी की वृद्धि लागत मुद्रास्फीति सूचकांक के आधार पर ही की गई है। दरअसल, सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में सांसदों के वेतन और भत्तों की हर पांच साल में समीक्षा करने का जो नियम बनाया था, उसका निर्धारण समय की महंगाई दर के आधार पर किया जाना था। निस्संदेह, लोकतंत्र के नीति-नियंताओं का जीवन विशिष्ट सुविधाओं का आकांक्षी होता है। वहीं सुख-सुविधाओं में वृद्धि तार्किकता की भी मांग करती है। यह नैसर्गिक न्याय ही होगा, यदि राजा और प्रजा के जीवन में समृद्धि की बयार समान रूप से होती है। इसमें अधिक अंतर भी न हो। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिये के नारे का यथार्थ में फलीभूत होना भी जरूरी है। अभिजात्य संस्कृति की तार्किकता लोकतंत्र की कसौटी पर खरी नहीं उतरती।

पॉक्सो एक्ट और महिलाओं की सुरक्षा

डा0 सुधीर कुमार

सरकार को भी मौजूदा कानूनों की समीक्षा करनी चाहिए ताकि इस प्रकार की विवादास्पद व्याख्याओं की कोई गुंजाइश न रहे और यौन अपराधों के पीड़ितों को न्याय मिल सके।बीते दिनों इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा सुनाया गया एक फैसला महिलाओं की सुरक्षा के संबंध में एक गंभीर बहस का केंद्र बन गया है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की संख्या चिंताजनक रूप से बढ़ रही है। इसके प्रति कानूनी समुदाय व नागरिक समाज में तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र ने कासगंज जिले के एक मामले में कहा कि किसी महिला के स्तनों को पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना बलात्कार या बलात्कार के प्रयास की श्रेणी में नहीं आता है। यह फैसला पॉक्सो एक्ट के तहत 11 साल की पीड़िता से जुड़े मामले में सुनाया गया था।

न्यायाधीश ने बलात्कार के प्रयास के आरोप को खारिज करते हुए, इसे भारतीय दंड संहिता की धारा 354-बी के तहत फ्वस्त्र उतारने के इरादे से हमलाफ और पॉक्सो एक्ट की धारा 9/10 के तहत फ्गंभीर यौन हमलाफ माना। न्यायालय का मानना है कि इस मामले में किए गए कृत्य बलात्कार के प्रयास की कानूनी परिभाषा को पूरी तरह से संतुष्ट नहीं करते हैं, लेकिन गंभीर यौन हमले की श्रेणी में आते हैं। इस निर्णय के कानूनी विश्लेषण पर विचार करें तो, यह स्पष्ट होता है कि न्यायालय ने अपराध की तैयारी और वास्तविक प्रयास के बीच स्थापित कानूनी सिद्धांत का पालन करने का प्रयास किया है। भारतीय दंड संहिता के तहत, किसी भी अपराध के लिए केवल 'प्रयास' ही दंडनीय है, जबकि केवल 'तैयारी' को अपराध नहीं माना जाता है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 9/10 के तहत 'गंभीर यौन हमला' के अपराध को बरकरार रखा है, जो यह दर्शाता है कि न्यायालय ने कथित अपराध की गंभीरता को पूरी तरह से अनदेखा नहीं किया है। कुछ कानूनी विशेषज्ञ यह तर्क दे सकते हैं कि न्यायालय का कर्तव्य कानून को उसके अक्षरों के अनुसार लागू करना है, भले ही इसके सामाजिक परिणाम विवादास्पद क्यों न हों।उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले के कई निर्णयों में यौन इरादे से किसी नाबालिग के अंगों को छूने को भी यौन हमला माना है। 19 नवंबर, 2021 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट के नागपुर पीठ के एक फैसले को पलटते हुए यह स्पष्ट रूप से कहा गया था कि किसी नाबालिग के यौन अंगों को छूना या यौन इरादे से शारीरिक संपर्क से जुड़ा कोई भी कृत्य पॉक्सो एक्ट की धारा 7 के तहत यौन हमला माना जाएगा, जिसमें इरादे को प्रमुखता दी गई थी। । इस फैसले में सर्वोच्च न्यायालय ने 'स्किन से स्किन' संपर्क की आवश्यकता से अधिक यौन इरादे को महत्व दिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का वर्तमान निर्णय इस पूर्ववर्ती फैसले से स्पष्ट रूप से भिन्न प्रतीत होता है।

मध्य प्रदेश सरकार बनाम महेंद्र उर्फ गोलू के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने बलात्कार के प्रयास के आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए 'तैयारी' और 'प्रयास' के बीच का अंतर समझाया था, जिसमें यह माना गया था कि अभियुक्त के कृत्य 'तैयारी' से आगे बढ़कर अपराध के निकट थे। इलाहाबाद उच्च न्यायालय का निर्णय इस व्याख्या से भी कुछ हद तक भिन्न प्रतीत होता है। इस अदालती निर्णय का मौजूदा कानूनों पर संभावित प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। पॉक्सो एक्ट के संदर्भ में, इस निर्णय से बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करने के अधिनियम के मूल उद्देश्य पर ही सवाल उठ सकते हैं।

प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनाव पहचानें

मानसिक स्वास्थ्य

बी.एल. वोहरा

यदि हम सही मायनों में युवाओं को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाना चाहते हैं तो हमें मौजूदा सामाजिक संरचना पर मंथन करने की जरूरत है।?मौजूदा शिक्षा प्रणाली को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता है।?इसकी आत्मा को विशुद्ध रूप से योग्यतावादी व तकनीकी विचारधारा से बचाने और अपने छात्रों को जीवन की एक नई दृष्टि देने की जरूरत है।

हाल ही में, आईआईटी कानपुर ने 'द आर्ट ऑफ़ लिविंग फ़ाउंडेशन' के साथ मिलकर एक 'भलाई कार्यक्रम' शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार, फ़ाउंडेशन ने श्वास क्रिया, ध्यान और माईंडफुलनेस अर्थात 'संचेतना' (आसपास की घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए इनमें बहने से बचना) सहित विशेषज्ञ सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य है युवा छात्रों की 'मानसिक सहनशक्ति एवं तनाव प्रबंधन क्षमताओं' को बेहतर बनाना। समझा जा सकता है कि आईआईटी के अधिकारी अपने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं। दरअसल, हाल ही में सूचना के अधिकार से मिली एक जानकारी से पता चला है कि पिछले पांच सालों में 37 विद्यार्थियों ने खुदकशी है, जिसमें 11 छात्र आईआईटी के थे। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि आईआईटी गुवाहाटी ने भी 'नैदानिक अभ्यासों' की एक श्रृंखला चलाने की घोषणा की है – मसलन,परामर्श सत्र, संकाय सदस्यों के साथ सुबह की सैर और 'तनाव से मुक्ति' कार्यशालाएं।हालांकि,भारत में समकालीन शैक्षिक परिदृश्य के एक पर्यवेक्षक के रूप में, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि अलग-अलग परामर्श सत्र, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यासों का ऐसा कोई समुच्चय इन युवाओं की बढ़ती दिमागी, मानसिक चिंताओं और अस्तित्वगत पीड़ा से निपटने के लिए अपर्याप्त होगा, जो पहले ही

अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मक और सामाजिक डार्विनवाद जनित जीवन-हंता वायरस से बनी मारक 'रण भूमि' में फंसे हुए हैं।

समस्या केवल किसी के 'आहत' हुए स्वः की नहीं है,समस्या समाज की पूरी संरचना है – जिसमें संसाधनों की कमी और असमानता है या फिर किसी की योग्यता केवल प्राप्त किए गए बढ़िया नंबरों से आंकने वाली विचारधारा बनकर रह गई है। उस चूहा-दौड़ में शामिल होना,जिसे तकनीकी-पूंजीपति 'सफलता' का प्रारूप ठहराते हैं। आप अपने 'अशांत' स्वः को बाकी समाज के ताने-बाने से अलग नहीं कर सकते।

तीन कारणों के बारे में सोचें कि मानसिक तनाव या अकेलापन आईआईटी के माहौल में अंतर्निहित क्यों है। वास्तव में आप महसूस करेंगे कि किसी भी आईआईटी में प्रवेश पाने की प्रक्रिया ही स्वाभाविक रूप से तनावपूर्ण है। यह किसी महान शिक्षक के साथ चलकर सीखने जैसा न होकर विज्ञान और गणित की गूढ़ता को बनावटी बौद्धिक उत्साह और जिज्ञासा के साथ तलाशने जैसा है। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटरों के अत्याचार से लेकर, कभी न खत्म होने वाले अभ्यास परीक्षा तक की इस यात्रा में कोई रचनात्मक उत्साह या खुशी नहीं है। 'भाग्यशाली' छात्र जब तक बाधाओं से पार पाते हैं – जेईई मुख्य परीक्षा से लेकर जेईई एडवांस उत्तीर्ण करने तक – तब तक उनमें से कई मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक तौर से दरिद्र हो चुके होते हैं।दूसरा, यह मानना ??गलत है कि जब कोई आईआईटी में भर्ती पा लेता है तो उसकी जिंदगी वास्तव में भरपूर बन जाती है, और सब कुछ गुलाबी-गुलाबी हो जाता है। अतिशयी-प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनावों का कोई अंत नहीं है। अच्छा ग्रेड पाने की लालसा, बाजार मांग के अनुरूप लगातार बदलते 'कौशल' सीखते रहने का दबाव, और अंतिम नियति को लेकर निरंतर चिंता – जैसे कि, बढ़िया जगह पर नौकरी और वेतन पैकेज। ये सब एक ऐसा सामाजिक माहौल बना देते हैं, जिसमें कोई सच्चा दोस्त नहीं, कोई रचनात्मक उत्साह नहीं होता। हर कोई एक एकाकी व अहंकारी योद्धा भर है!

और तीसरा, चूंकि हमारे समाज में आईआईटी में दाखिला पाने का कुछ ज्यादा ही महिमामंडन किया जाता है, जिसकी कीमत में, हमारे अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालयों का व्यवस्थित रूप से अवमूल्यन हो रहा है। एक आकर्षक नौकरी, किसी तकनीकी-कॉर्पोरेट उद्यम में एक उच्च पद, लगातार विदेश यात्राएं और निरंतर सामाजिक/आर्थिक गतिशीलता! वास्तव में, हमारा समाज पागलों की तरह 'सफलता की कहानियों' से ग्रस्त है। इसकी वजह से अगर आप एक 'आईआईटी वाले' हैं, तो इस बात की संभावना बहुत कम है कि लोगबाग-आपके माता-पिता सहित – आपको सिर्फ़ एक इंसान के रूप में देखेंगे। आपको लगातार अपने 'अलौकिक' गुणों को साबित करते रहना पड़ेगा।

यूट्यूब लाया खास उपाय, डिजिटल सेहत बने सहाय!

सबसे ज्यादा यूट्यूब पर वीडियोज और म्यूजिक सुना जाता है। वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब जल्द ही उद्योग जगत के अग्रणी विशेषज्ञों के साथ मिलकर यूथ डिजिटल वेलबीइंग पहल की शुरुआत की है। इस पहल के जरिए वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाला, उम्र-उपयुक्त कंटेंट तैयार करने की दिशा में काम किया जाएगा।

डिजिटल दुनिया में लोगों को जागरुक करना और जानकारी देने के लिए यूट्यूब काफी प्रयास करता रहता है। वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म यूट्यूब पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा यूज किया जाता है। हालिए में यूट्यूब ने यूथ डिजिटल वेलबीइंग प्रोग्राम पेश किया है। ऑनलाइन कंटेंट के माध्यम से युवाओं को शिक्षित करने, एंटरटेनमेंट देने और आपस में जोड़ने की शक्ति रखता है।

इस सर्वोत्तम उपयोग करने के उद्देश्य से यूट्यूब ने बिजनस जगत के अग्रणी विशेषज्ञों के साथ मिलकर यूथ डिजिटल वेलबीइंग पहल की शुरुआत की है। इस पहल के जरिए वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाला, उम्र-उपयुक्त कंटेंट तैयार करने की दिशा में काम किया जाएगा। ऐसा करने से यूथ के जीवन पर पॉजिटिव प्रभाव देखने को मिलेगा। यूट्यूब ने ब्लॉगपोस्ट में लिखा, हम युवा उपयोगकर्ताओं के लिए ऑनलाइन कंटेंट के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य केवल स्वस्थ और समृद्ध कंटेंट को बढ़ावा देना ही नहीं, बल्कि निम्न गुणवत्ता वाले कंटेंट की पहुंच को सीमित करना भी है।

इस प्रयास में मीडिया साक्षरता (मीडिया लिटरेसी) और डिजिटल नागरिकता (डिजिटल सिटिजनशिप) को बढ़ावा देने वाले कंटेंट को प्राथमिकता दी जाएगी। युवाओं की सुरक्षा और डिजिटल भलाई होगी प्राथमिकता यूट्यूब के सीईओ, नील मोहन ने कहा, हमारे प्लेटफॉर्म पर युवाओं की भलाई सर्वोच्च प्राथमिकता है। यूथ डिजिटल वेलबीइंग पहल हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। सुपरवाइज्ड एक्सपीरियंस जैसी सुविधाओं के साथ-साथ, हमने हाल ही में अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के साथ मिलकर माता-पिता के लिए एक गाइड भी तैयार की है, जिससे वे अपने बच्चों के स्क्रीन टाइम को बेहतर तरीके से प्रबंधित कर सकें।÷

ऑनलाइन खतरों के तहत सुरक्षा

यूट्यूब पर कंटेंट और प्रोडक्ट डिजाइन को किशोरो और बच्चों की विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया जाता है। सेक्सुअली एक्सप्लिसिट और ग्राफिक वायलेंस से संबंधित कंटेंट के लिए एज-लिमिट डिफॉल्ट सेटिंग्स लागू की जाएगी।

मीडिया लिटरेसी और डिजिटल सिटिजनशिप को बढ़ावा देने के लिए पैरेंट्स के लिए शोध-आधारित संसाधन विकसित किए जाएंगे। युवाओं के लिए हाई-क्वालिटी, एज-अप्रोप्रियट और मोटिवेशनल कंटेंट को बढ़ावा दिया जाएगा।

स्क्रीन टाइम को मैनेज करेगा। टूल्स और कंट्रोल्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

मेंटल हेल्थ से संबंधित संवेदनशील विषयों जैसे आत्महत्या और आत्म-हानि से संबंधित कंटेंट देखने पर यूथ की सहायता के लिए संसाधनों की ओर निर्देशित करता है।

उबटन का जादू आजमाएं, चेहरा चांद सा चमकाएं!

जब भी हम सभी को किसी पार्टी या फंक्शन में जाने के लिए इंस्टेंट ग्लो चाहिए होता है। इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए अक्सर हम मार्केट में मिलने वाली चीजों का इस्तेमाल करते हैं या फिर पार्लर में जाकर ट्रीटमेंट लेते हैं। लेकिन इससे भी फेस पर ग्लो नहीं आता है। ऐसे में आप इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए आप घर पर रखी चीजों से उबटन बनाकर इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस उबटन के इस्तेमाल से फेस पर ग्लो आ सकता है। साथ ही इससे आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह के उबटन को लगा सकते हैं।

बेसन और गुलाब जल उबटन

फेस पर बेसन और गुलाब जल के उबटन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस उबटन को बनाना काफी आसान है। साथ ही इससे चेहरा भी साफ लगेगा। अक्सर हम घर में इस उबटन का इस्तेमाल कर सकते हैं। घर में हम सभी इसी उबटन का इस्तेमाल करते हैं। वहीं शादी में भी दुल्हन के चेहरे पर भी हल्दी की जगह उबटन लगाया जाता है।

ऐसे बनाएं उबटन

इस उबटन को बनाने के लिए एक कटोरी में 1 चम्मच बेसन लेना है।

अब इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिक्स करें। फिर थोड़ा सा एलोवेरा जेल मिक्स करें। इस उबटन को चेहरे पर 15 मिनट के लिए अप्लाई करें। अब पानी से चेहरा धो लें। इससे चेहरा साफ लगेगा और रंग भी साफ हो जाएगा।

पपीता और दूध उबटन

बहुत सारे लोग चेहरे पर फ्रूट फेशियल या फेस पैक लगाना पसंद करते हैं। क्योंकि इसमें किसी तरह का कोई केमिकल नहीं होता है और आप चाहें तो इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपका चेहरा साफ सुथरा रहेगा।

इस तरह करें इस्तेमाल

सबसे पहले आधा पका हुआ पपीता लेना है। फिर इसको कटोरी में अच्छे से मैश करें और इसमें 1 चम्मच दूध और शहद डालें। अब इसको फेस पर 10 से 15 मिनट के लिए फेस पर अप्लाई करें। इसके बाद फेस वॉश कर लें। इसको अप्लाई करने से त्वचा हाइड्रेट रहेगी और चेहरे की चमक भी बरकरार रहेगी। बता दें कि इन उबटन के इस्तेमाल से स्किन इंस्टेंट ग्लो करती है और यह आपकी स्किन को नेचुरल निखारने में भी मदद करेंगे। आप सप्ताह में 2-3 बार इस उबटन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गर्मियों में ना हों बीमार, बदलें आदतें, रहें तैयार!

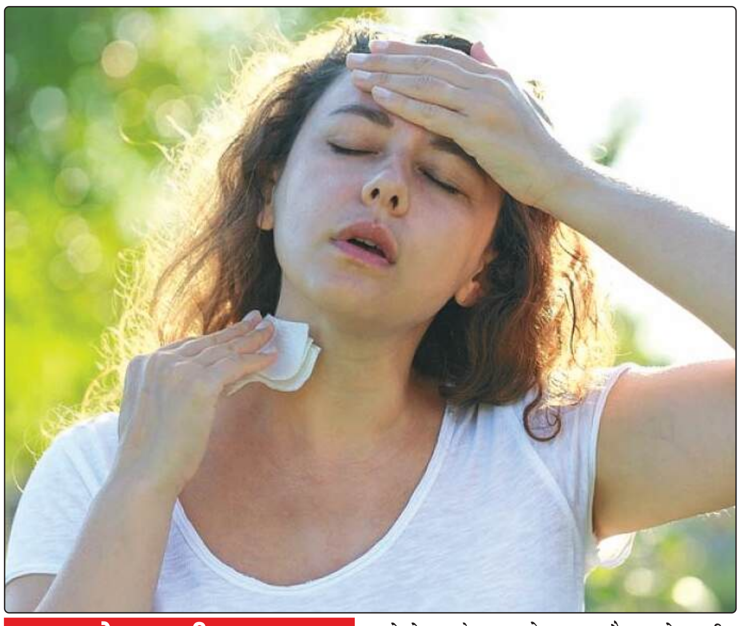

सेहत की बात

गर्मियों के मौसम में सबसे ज्यादा असर हेल्थ पर पड़ता है। इस दौरान कई सारी बीमारियां भी होने लगती है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ने लगता है वैसे ही लू, डिहाइड्रेशन और थकान जैसी समस्याएं भी बढ़ने लगती है। इस मौसम में खुद को हेल्दी रखना किसी चुनौती से कम नहीं है।

मार्च का महीना खत्म होने वाला है धीरे-धीरे तापमान भी बढ़ने लगा है। अप्रैल में भीषण गर्मी देखने को मिलती है। जब तापमान बढ़ता है तो लू, डिहाइड्रेशन और थकान की समस्या भी जन्म ले लेती है। इस दौरान खुद की केयर करना काफी जरुरी है।

स्वस्थ और एनर्जेटिक बने रहने के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। आइए आपको बताते हैं गर्मियों में खुद को फिट और एक्टिव कैसे रखें। गर्मियों में किस तरह की बीमारियों का खतरा बनता है? हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, गर्मियों के दौरान लू लगने से सिरदर्द, चक्कर आना या कमजोरी की स्थिति बन सकती है।

गर्मी में शरीर में पानी और मिनरल्स की कमी से कमजोरी की स्थिति बन जाती है। वहीं, बासी और दूषिक भोजन और गंदे पानी से पेट इन्फेक्शन हो सकता है, इससे उल्टी, दस्त और फूड पॉइजनिंग हो सकती है। गर्मी में इन्फेक्शन और बीमारियों से बचने के उपाय

शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए आप खूब पानी और फ्रेश जूस या छाछ का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में साफ-सफाई का ध्यान रखें, नियमित रुप से हाथ धोएं।

हल्का, ताजा और पाचन को दुरुस्त रखने वाले भोजन का सेवन करें, बासी खाना न खाएं। गर्मी में लाइट वेट और आरामदायक सूती कपड़े पहनें। घर से निकालते समय टोपी और सनस्क्रीन का यूज करें। मच्छरों से बचाव करना काफी जरुरी है। मच्छरों से बचने के लिए सफाई रखें। रोजाना एंटीबैक्टीरियल साबुन से नहाएं। इस दौरान आंखों को इंफेक्शन ज्यादा फैलता है। इसलिए गंदे हाथों से आंखों न छुएं। दूषित पानी और खुले में रखे खाने से बचें। लू से बचने के लिए आप छाछ, आम पन्ना और नींबू पानी पिएं।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सनसनी

अरौल में किसान का मर्डर मामला

चप्पल के इर्द गिर्द घूम रही मर्डर मिस्ट्री!

» अरौल में पूर्व प्रधान के चाचा की हत्या मामला

» खेत में सिंचाई करते समय अज्ञात लोगों ने किया हमला

» वारदात को अंजाम देकर हुए फरार

» हत्यारों की टॉर्च लेकर खेतों व आसपास जंगलो में की गई खोजबीन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के बावनझाला गांव में पूर्व प्रधान के चाचा की हत्या से सनसनी फ़ैल गई। घटना मंगलवार की शाम करीब सात बजे की है। हत्या की वारदात को अंजाम देकर हत्यारे मौके से भाग निकले। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मामले की तप्तीश की और टॉर्च की रोशनी में आसपास के खेतों व जंगलों में हत्यारों की कई घंटे खोजबीन की।

मालूम हो कि अरौल थाना क्षेत्र के बावनझाला ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान देवेंद्र उर्फ़ बब्लू यादव के चाचा बावनझाला पंचायत मजरा के ग्राम मुजफ्फरपुर निवासी किसान विश्वेवर यादव उम्र 55 वर्ष मंगलवार की शाम को खेत में पानी लगाने गए थे। तभी अज्ञात लोगों ने किसान के सिर पर फावड़े से एक के बाद एक कई वार कर हत्या कर दी। और मौके से फरार हो गए। खेत के दूसरी ओर पानी लगा रहा किसान का बेटा अपने पिता के पास पहुंचा तो खून से लथपथ खटिया के पास जमीन पर मृत पड़े पिता को देखकर चीख पड़ा।सूचना पर आनन-फानन में घटना स्थल पर पुलिस टीम के साथ पहुँचे अरौल इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव ने मामले की जाँच की और हत्यारों की तलाश में कई घंटे टॉर्च लेकर आसपास खेत व जंगलों में खोजबीन की लेकिन पुलिस के कुछ हाथ नहीं लगा। घटना के बाद से परिजनों का रो- रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त फावड़ा बरामद कर लिया है।

मामले में पुलिस ने संदिग्ध लोगों से की पूछताछ

बिल्हौर। हत्या का खुलासा करने के लिए पुलिस ने कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ की है। इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव हत्या की हर एंगल से जाँच कर रहे हैं। पुलिस कई लोगों के मोबाइल फोन का डाटा भी खंगाल रही है। जिससे घटना के कारणों का जल्द से जल्द खुलासा किया जा सके।

पूर्व विधायक के करीबी रिश्तेदार थे मृतक विश्वेश्वर

बिल्हौर। मृतक छिबरामऊ के पूर्व सपा विधायक अरविंद यादव के रिश्तेदार थे। घटना की सूचना पाकर बुधवार की दोपहर पुलिस के आला अधिकारियों ने गांव पहुंचकर जांच पड़ताल की। अधिकारियों ने घटना से जुड़े प्रत्येक पहलू पर परिवारीजनों व ग्रामीणों से पूछताछ की। एसीपी बिल्हौर अमरनाथ ने बताया कि जल्द से जल्द हत्यारोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

सपा नेत्री रचना सिंह पहुंची सांत्वना देने

बिल्हौर। सपा नेत्री रचना सिंह ने बुधवार को पीड़ित परिवार के बीच पहुंचकर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अपराधियों की बाढ़ आ गई है। अपराधी घटनाओं को अंजाम देकर भाग जाते हैं और पुलिस राह देखती रह जाती है।

परिवार पर किसी करीबी पर घूम रही सक की सुई

बिल्हौर। किसान की हत्या घटना स्थल पर मिले अलग अलग चप्पलों के इर्द गिर्द ही घूम रही है। देर रात में पुलिस ने एक चप्पल घटनास्थल से बरामद किया था। बुधवार की दोपहर भी पुलिस के हाथ चप्पल का दूसरा जोड़ा लगा है। जिससे पुलिस का काम काफी आसान होता दिख रहा है।

बुधवार को स्वराज इंडिया की टीम मामले की पड़ताल करने गांव पहुंची। गांव वालों ने दबी जुबान से बताया कि वारदात में किसी करीबी का ही हाथ है। वारदात को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि हत्या संपत्ति के लालच में हुई है।

गुंडागर्दी कर गाड़ियों से पेट्रोल-डीजल लूटने वाले गैंग से पुलिस की मुठभेड़

» कई किलोमीटर तक पुलिस ने किया गैंग का पीछा

» अरौल पुलिस की गाड़ी पर गैंग ने कई फायर झोंके

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। मंगलवार को हुई पूर्व प्रधान के चाचा की हत्या के बाद पुलिस हत्यारों की जाँच कर रही थी...और अरौल इंस्पेक्टर पुलिस टीम के साथ टॉर्च लेकर जंगल में हत्यारों की खोजबीन कर रहे थे ...तभी इंस्पेक्टर जनार्दन सिंह यादव को सूचना मिलती है कि रात को कट्टे के बल पर गुंडागर्दी कर खड़ी गाड़ियों से पेट्रोल - डीजल लूट लेने वाले गैंग आपके क्षेत्र से गुजरने वाले हैं...सर इनको पकड़ लीजिए।

तत्काल इंस्पेक्टर थाने में सूचना करते हैं और क्षेत्र से गुजर रहे हर वाहन की चेकिंग लगा देते हैं। पुलिस हर गाड़ी को रोककर चेकिंग कर ही रही थी कि मारुती स्विफ्ट गाड़ी को रोकने का प्रयास किया तो कार में बैठे लोगों ने फायर करते हुए तेज स्पीड से कार को कानपुर की ओर भगा दिया। कभी पुलिस की गाड़ी आगे तो कभी लुटेरों की कार आगे। इसी दौरान कई बार फायरिंग कर पुलिस को रोकने का प्रयास किया गया। एक गोली पुलिस गाड़ी के शीशे पर जाकर लगी। गनीमत रही कि किसी पुलिसकर्मी को गोली नहीं लगी।अरौल इंस्पेक्टर ने आगे के सभी थानों बिल्हौर, शिवराजपुर, चौबेपुर को सूचना दी। सारे थानों का फ़ोर्स सक्रिय हुआ।

घटना की जानकारी देते एडीसीपी

पुलिस की चुंगल में फंसता देख कार छोड़कर भागे

बिल्हौर। पुलिस पीछा कार का पीछा कर रही थी। कार शिवराजपुर टोल प्लाजा के पास पहुंचने वाली थी। लेकिन कार टोल से न होकर उससे पहले गांव में उतर गई। काकूपुर निहाल गांव के पास आगे चेकिंग कर रही शिवराजपुर पुलिस को मारुति स्विफ्ट कार आती दिखाई दी। और रोकने का प्रयास किया। शातिर अब पूरी तरह समझ चुके थे कि वह चारों तरफ से पुलिस से घिरे हैं। पुलिस पर फायर करते हुए कार छोड़कर शातिर भागने लगे। जवाबी कार्रवाई में जब पुलिस ने गोली चलाई तो एक शातिर मोनू उर्फ़ अजमेन्द्र निवासी माधोपुर फरुखाबाद के पैर में जाकर लगी। रात्रि का फायदा उठाकर उसके दो साथी साथी खेतों से भाग निकले।कार की तलाशी लेने पर उसमे दो अवैध तमंचे, 11केन, पंप और जाली काटने की आरी बारामद। पुलिस ने बताया कि गैग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

माती जेल में जिला जज और एसपी ने किया औचक निरीक्षण

» बंदियों की देखभाल पर दें विशेष ध्यान, लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं

शंकर सिंह/ स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। कानपुर देहात के जिला जज और पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने माती स्थित जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने बंदी गृह, बैरक और भोजनालय का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की सुरक्षा व्यवस्था को बारीकी से देखा। निरीक्षण के दौरान कारागार अधिकारियों को सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला जज और पुलिस अधीक्षक ने बंदियों की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने बंदियों की देखभाल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इस दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और एडीएम प्रशासन भी मौजूद रहे। जिला कारागार अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी साथ रहे।

बंदियों के अधिकारों की हो रक्षा

वरिष्ठ अधिकारियों ने कारागार प्रशासन को बंदियों के अधिकारों की रक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को उच्चतम स्तर पर बनाए रखने को कहा। यह निरीक्षण कारागार में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सेवा, सुरक्षा और सुशासन के 8 वर्ष हुए पूरे

» सबका साथ-सबका विकास ''उत्कर्ष के 08 वर्ष'' विकास पुस्तिका का हुआ विमोचन

» लघु फिल्म के माध्यम से महाकुम्भ व उत्तर प्रदेश की विकास गाथा का किया गया प्रदर्शन, विभागों द्वारा स्टॉल्स पर दी गयी योजनाओं की जानकारी

» प्रभारी मंत्री डा0 संजय कुमार निषाद ने प्रदेश सरकार की गिनाई उपलब्धियां, जनहित में 8 वर्ष, विकास में नई राहें।

विभिन्न विभागों द्वारा विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं, मॉडलों, दी जा रहीं सेवाओं, विशेष कार्यो, निर्माण कार्यो आदि का स्टाल प्रदर्शनी के माध्यम से किया प्रचार-प्रसार

ईको पार्क माती में भव्य महोत्सव का हुआ आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। केंद्र सरकार के सफल 10 वर्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, जनपद कानपुर देहात में त्रिदिवसीय जनपदीय विकास महोत्सव/मेला, प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रभारी मंत्री एवं मत्स्य, मंत्री उ0प्र0 डा0 संजय कुमार निषाद द्वारा विधायक रसूलाबाद पूनम संखवार, जिलाध्यक्ष भाजपा रेणुका सचान, जिलाधिकारी आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक बी0बी0जी0टी0एस0 मूर्ति, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 की उपस्थिति में फीता काटकर किया गया। यह आयोजन प्रदेश सरकार की फ्रसेवा, सुरक्षा और सुशासन नीति को समर्पित है, जिसकी थीम उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन रखा गया। इस गौरवशाली महोत्सव में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रभाव का अनुभव किया।

सर्वप्रथम मंत्री द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों/प्रदर्शनी आदि का अवलोकन किया गया। मंत्री ने विभिन्न विभागों के स्टालों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यो को जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से सम्पूर्ण जनपद की विकास गाथा को प्रदर्शित किया गया। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की, कि अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर योजनाओं के बारे में न केवल जानकारी प्राप्त करें बल्कि स्वयं को यदि योजनाओं से वंचित है तो तत्काल योजनाओं से अपने को जोड़े। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र योजनाओं से वंचित न रहे। तत्पश्चात प्रभारी मंत्री, विधायक, जिलाध्यक्ष, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्जवलन कर मंच का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। महाकुम्भ व उत्तर प्रदेश के विकास के 8 वर्ष से सम्बन्धित लघु फिल्म को जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व भारी संख्या में उपस्थित लोगों द्वारा देखा गया। इसी क्रम में मंत्री द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सबका साथ-सबका विकास ''उत्कर्ष के 08 वर्ष'' विकास पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के कलाकारों व बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा के बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति दी गयी। इन प्रस्तुतियों के द्वारा भी जनपद व प्रदेश के विकास को रेखांकित किया गया। तत्पश्चात मंत्री द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, टूलकिट, प्रशस्ति पत्र, आवास योजना की चाभी, ट्राई साईकिल, रोजगार मेले में चयनितों को चयन प्रमाण पत्र, अटल आवासीय बच्चों को प्रमाण पत्र आदि वितरित कर लाभान्वित किया गया। तत्पश्चात मा0 जिलाध्यक्ष भाजपा व मा0 विधायक द्वारा उत्तर प्रदेश की विकास गाथा व जनपद में 08 वर्षो में हुए विकास को रेखांकित किया गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सभी वर्गो के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है, आज अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। प्रदेश व जनपद निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है।

प्रभारी मंत्री ने अपने सम्बोधन में सर्वप्रथम केन्द्र सरकार द्वारा 10 वर्ष तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विगत 08 वर्षो में सेवा, सुरक्षा, सुशासन की दिशा में अर्जित उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को लाभान्वित कर रहीं है। जनपद कानपुर देहात में अब तक 03 लाख 22 हजार किसानों के बैंक खातों में 986.453 करोड़ धनराशि अन्तरित की गयी है। वहीं फसल बीमा योजनान्तर्गत जनपद के 12 हजार 893 किसानों को 487.99 लाख की क्षतिपूर्ति प्रदान कर लाभान्वित किया गया है। पीएम कुसुम योजनान्तर्गत 93 कृषकों को सोलर पम्प से लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत 32898 आवास स्वीकृत किये गये है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत 5707 आवास स्वीकृत किये गये, स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत 132990 व्यक्तिगत शौचालय तथा 618 सामुदायिक शौचालय ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण करायें गये हैं। जनपद के नगरीय क्षेत्रों में 6815 व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों का निर्माण कराया गया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत जनपद में लगभग 50 हजार महिलाओं को जोड़कर महिला समूह गठित किये गये है। महिलाओं द्वारा देहाती ब्राण्ड अन्तर्गत बेसन, सत्तू, बुकुनू मसाला आदि बनाकर बेचा जा रहा है, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। 390 ग्राम पंचायतों में देहाती मार्ट का संचालन स्वयं सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है, जलजीवन मिशन अन्तर्गत 2025 तक हर घर नल से जल उपलब्ध करायें जाने का लक्ष्य रखा गया है। जनपद की 504 परियोजनाओं में से 193 को पूर्ण कराते हुए 289567 परिवारों को नल संयोजन कराया जा चुका है। कन्या सुमंगला योजना अन्तर्गत बालिकाओं को एक मुस्त सहायता धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री विवाह योजनान्तर्गत जनपद के 5016 बेटियों का विवाह कराया जा चुका है। इसी प्रकार राष्ट्रीय समाजिक सहायता कार्यक्रम, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार सभी वर्गो, धर्मो के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कानून व्यवस्था हो या आर्थिक प्रगति, देश में उत्तर प्रदेश प्रथम पायदान पर है अथवा प्रथम स्थान की ओर अग्रसर है। आज बहू, बेटियां सुरक्षित महसूस कर रहीं है। हमारी सरकार जीरो टोलेंस की नीति पर कार्य कर रही है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी। सड़कों में गड्ढे, बिजली संकट, व्यापारी पलायन जैसी समस्याएं आम थीं। सरकार बनने के बाद अपराध पर नियंत्रण, एंटी-रोमियो स्क्वायड का गठन, सख्त पुलिसिंग और बेहतर कानून व्यवस्था के चलते उत्तर प्रदेश अब अन्य राज्यों के लिए मॉडल राज्य बन चुका है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाया जा रहा है। आज हर व्यक्ति अपने को अधिक गौरवान्वित, आर्थिक रूप से सक्षम व मजबूत पा रहा है। उन्होंने मत्स्य विभाग की संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 08 वर्षो में मछुवा समुदाय की उन्नति के लिए ढेर सारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसमें ''यमुना नदी में मत्स्याखेट की नीलामी'' द्वारा वर्ष 2024-25 में यमुना नदी में 5-5 कि0मी0 के 12 खण्डों में मत्स्याखेट की नीलामी की जाती थी, जिसमें अबतक 8 खण्डों में नीलामी कराकर 01 करोड़ 91 लाख रूपये की आय प्राप्ति की गयी, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 से 6 से 7 गुना अधिक है। वहीं ''मत्स्य जीवी सहकारी समितियों'' के गठन में 13 समितियों के लक्ष्य के सापेक्ष जनपद में 18 मछुआ समुदाय की समितियों का गठन कराया गया, जिससे नदियों एवं बड़े तालाबों को आवंटित कराकर मछुआ समुदाय के लोगों मे अर्थिक सुधार लाया जा सके। ''एरिएटर सिस्टम'' के माध्यम से बड़े तालाबों, झीलों मे एरिएटर सिस्टम लगाकर पानी में आक्सीजन की मात्रा बढ़ाने का कार्य मत्स्य विभाग द्वारा किया जा रहा है, जिस पर 50 प्रतिशत अनुदान की व्यवस्था है। जिससे मछलियों की बाढ अधिक होगी तथा मत्स्य किसानों की आय में वृद्धि होगी। ''किसान क्रेडिट कार्ड'' द्वारा सीजनल ऋण प्राप्त कर किसान मत्स्य पालन का कार्य कर रहा है। वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मछुआरों को ''वैवाहिक सहायता एवं शिक्षा'' का प्रावधान समुदाय को समाज कल्याण की भाँति मछुआ समुदाय के व्यक्तियों की शादी पर रू0 51000/- के स्थान पर 01 लाख व्यवस्था का प्राविधान किया गया, इसी प्रकार मछुआ समुदाय के गरीब बच्चों की शिक्षा की भी व्यवस्था का प्राविधान सरकार द्वारा किया गया है। जिस कार्य हेतु किसान की वार्षिक आय रू0 2 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जनपद में करायें जा रहें विकास कार्यो की सराहना की तथा सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अपनी वाणी को विराम दिया।

तत्पश्चात प्रभारी मंत्री द्वारा समस्त प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों से प्रेस वार्ता के दौरान उ0प्र0 सरकार द्वारा आठ वर्ष में किये गये कार्यो व जनपद में हुए विकास के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी।

टूल किट्स देकर प्रधानों को किया गया सम्मानित

ईको पार्क, माती, कानपुर देहात में निःशुल्क टूल किट्स वितरण कार्यक्रम एवं प्रधान सम्मान समारोह के अंतर्गत जनपद प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री, मत्स्य विभाग डॉ0 संजय कुमार निषाद तथा मा0 विधायक रसूलाबाद पूनम शंखवार एवं जिलाध्यक्ष भाजपा रेणुका सचान, जिलाधिकारी आलोक सिंह, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 एवं जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अखिलेश कुमार अग्निहोत्री की उपस्थिति में प्रभारी मंत्री के कर कमलों द्वारा कानपुर देहात के चयनित 08 लाभार्थियों को दोना पत्तल मेकिंग मशीन व प्रमाण पत्र एवं 10 पॉपकॉर्न मेकिंग मशीन व प्रमाण पत्र लाभार्थियों को वितरण के साथ ही कानपुर देहात के विभिन्न ग्राम पंचायतों में खादी ग्रामोद्योग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में सहयोग व उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 प्रधानों को प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्र सहित 2000 पुरस्कार राशि प्रदान करने के साथ ही मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना एवं प्रधानमंत्री रोजगार योजना अन्तर्गत स्वीकृति पत्र प्रभारी मंत्री डॉ0 संजय कुमार निषाद द्वारा वितरित किए गए। उक्त कार्यक्रम में मोहम्मद शारिब, सहायक विकास अधिकारी प्राची शुक्ला, वरिष्ठ सहायक शिवेंद्र सिंह व अमन कुमार जनप्रतिनिधिगणों में विधायक रसूलाबाद पूनम संखवार, जिलाध्यक्ष भाजपा रेणुका सचान, सदस्य, उ0प्र0 गोसेवा आयोग, रमाकान्त उपाध्याय, विधान सभा प्रभारी डॉ सतीश शुक्ला, मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा, आदि अधिकारीगणों में जिलाधिकारी आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, परियोजना निदेशक वीरेन्द्र सिंह , डीपीआरओ, विकास पटेल, एडीओ पंचायत राजेंद्र विश्वकर्मा ,अरविंद सिंह, सीएमओ, बीएसए, व अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण व भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

डीआईटी ऑफिस में 'डी' कोड से हो रही दलाली

डीआईटी ऑफिस की फाइलों पर लिखा कोड वर्ड 'डी' क्या है?, कहीं 'डी' का मतलब दाऊद, डॉन या दलाल तो नहीं

» भ्रष्टाचार का नया अड्डा बना डीआईटी अयोध्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। **अगर आपको आरटीओ संबंधी कोई भी काम करवाना है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। बस गेट पर पहुंचिये और वह खड़े दलालों से मिलकर अपना काम आसानी से करा लीजिये, इसके लिए आपको बस थोड़ा सुविधा शुल्क देना होगा। इसके बाद आपको चक्कर लगाने की जरूरत नही। आपका काम मिनटों मेंहो जाएगा।**

अयोध्या के आईटीआई कैम्प्स के बगल डीआईटी कार्यालय की कहानी इन दिनों सुर्खियों में है आजकल ऑफिस की फाइलों मेंलिखा 'डी' कोड वर्ड को लेकर खूब चर्चा है। कोई कहता है कि इसका मतलब दाऊद कोई डॉन बताता है लेकिन विभागीय सूत्रों की माने ते असल मे डीआईटी के फाइलों का ताल्लुक किसी डॉन या माफिया डॉन दाऊद से नहीं बल्कि आरआई साहब के परम प्रिय दलालो से है। कार्यालय में प्हुंचते ही दलाल घेर लेंगे। अगर किसी तरह से वह आपको नहीं पकड़ सके तो कार्यालय के अंदर बैठे दलाल आपको फंसाने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। ऐसे में परेशान उपभोक्ता दलालों के चुंगल में फंसकर सुविधा शुल्क देने के लिए मजबूर हो जाते हैं। सुविधा शुल्क न देने पर उन्हें आरटीओ कार्यालय के चक्कर तो काटने ही पड़ेंगे सथ ही उनका समय भी व्यर्थ जायेगा। टांसपोर्ट नगर में बने आरटीओ कार्यालय के बहर से लेकर अंदर तक और डीआईटी में दलालों का जमावड़ा लगा रहता है। आश्चर्य की बात तो तब नजर आई, जब वहां पर कुछ दलाल ऐसे बैठे थे, जैसे स्वयं आरटीओ कार्यालय में कोई अधिकारी कर्मचारी हैं। ऐसे में जिलेभर से अपने कार्य करवाने के लिए आने वाले उपभोक्ता यह नहीं पहचान पाते है कि कौन विभाग का कर्मचारी है और कौन दलाल। गौर करने की बात यह है कि भ्रष्टाचार की रोकथाम के लिए शासन द्वारा आरटीओ संबंधी अधिकतर कार्य ऑनलाइन कर दिए गए हैं। जिससे लोगों से किसी भी प्रकार की अवैध कमाई न की जा सके। लेकिन जब बुधवार को 'स्वराज टीम' के द्वारा पड़ताल किया गया तो हालात कुछ और दिखा। वैसे तो ऑनलाइन फार्म भरने से लेकर फीस जमा कराने तक के सभी कार्य ऑनलाइन हो रहे हैं। लेकिन उसके बावजूद भी लोगों का काम बिना दलालों के नहीं हो रहा है।

बिना दलाल के अगर कोई पढ़ा लिखा व्यक्ति ऑनलाइन फार्म भरकर विभाग में अपना कार्य करवाने जाता भी है तो उसे विभिन्न प्रकार की कमियां बताकर वापस कर देते हैं। किसी तरह से फार्म भरकर टेस्ट तक पहुंचा भी तो उसे टेस्ट में रोक देते हैं। ऐसे में परेशान होकर व्यक्ति को दलाल को तलाश करता है। इस कारण से लोग वहां दलालों को सुविधा शुल्क देते हैं। सूत्रों की माने तो प्रति लाइसेंस यहां 4 से 5 हजार रुपए वसूले जा रहे है। सूत्रों का कहना है कि जो फ़ाइल दलाल लाते है उन पर फ़ोटो खींचने के बाद लिपिक 'डी' लिख देता है। जिसका अर्थ है कि ये फाइल दलाल लाया है मतलब की सुविधा शुल्क मिल चुका है। बाकी फ़ाइल दूसरी तरफ जिनका नहीं करना होता है उसे अलग रखा जाता है। सूत्र बताते है कि 5 हजार की सुविधा शुल्क में ढाई हजार रुपए प्रति फ़ाइल तो 2 हजार आरआई साहब लेते है। ढाई हजार का बंदर बांट होता है।

आरटीओ कार्यालय में आए एक व्यक्ति ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि मुझे दो पहिया वाहन का एक ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना था। मैं पहले यहां आया तो मुझे कई प्रकार के दस्तावेज और टेस्ट देने की बात कही। मैं आवेदन भी ऑनलाइन कराने के लिए गया। लेकिन कई दस्तावेजो की मांग करने के कारण मुझे दलाल से ही बात करनी पड़ी, क्योंकि बार बार आने से काम धंधे का नुकसान होता है। इस कारण दलाल ने सीधे पांच हजार रुपए लिए। हालाकि फीस इतनो नहीं लगती है। लेकिन क्या करें। कहने के लिए आरटीओ संबंधी कार्य ऑनलाइन हुए हैं।

आरटीओ ऑफिस में बाबू की सीट पर काम करता हुआ दलाल

आरटीओ ऑफिस सुविधा शुल्क का रेट सूत्रों के अनुसार

1-नई परमिट या रिन्यूवल घूस-2000?
2-ड्राइविंग लाइसेंस स्थायी-2500?
3-डुप्लिकेट लाइसेंस-500?
4-लाइसेंस रिन्यूवल-500?
(नोट-घूस नही दिया तो गाड़ी चलवाकर देखी जाती है और कमी दिखाकर वापस कर दिया जाता है)

राजेश सिंह एआरटीओ (प्रवर्तन) अयोध्या

दलालो को बख्शा नही जाएगा-एआरटीओ राजेश सिंह

वहीं मामले पर एआरटीओ (प्रवर्तन) राजेश सिंह ने बताया आरआई का अभी हाल में ही ट्रांसफर हो गया है और बाराबंकी के आरआई बलवंत सिंह यादव को यहां की भी जिम्मेदारी दी गयी है। जहाँ तक रही दलालो की बात तो आपने बताया है तो इनके खिलाफ जांच करवाकर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। सरकार को बदनाम करने वालो को बख्शा नही जाएगा। मैं खुद इसी लिए 10 बजे से 6 बजे तक ऑफिस में बैठा रहता हूँ कि किसी को भी कोई दिक्कत न हो। लेकिन दलाल ऑफिस के बाहर ही लोगो को पकड़कर पैसा लेकर भाग जाते है कोई शिकायत ही नही करता तो हम मजबूर हो जाते है। लेकिन हम भरोसा दिलाते है कि किसी भी दलाल को बख्शा नही जाएगा।

लेकिन बिना दलाल के कोई भी कार्य संभव नहीं है। डीआईटी अफिस में एक आपरेटर के पास पहुंचकर बात करनी चाही तो वो काफी व्यस्त दिखे। फिलहाल इन सारी बातो को समझने के बाद वहा मौजूद अधिकारी के पास पहुंचकर जानकारी लेनी चाही। उन्होंने साफ मना कर दिया कि हमारी कार्यालय में इस नाम का कोई कर्मचारी नहीं है। अब बात यह आती है बिना जानकारी के कैसे कोई कार्य कर रहा है।

श्री गौरी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED HOSPITAL)
यू.पी.एस.आई.डी.सी. जैनपुर, कानपुर देहात
Mob: 9710106661, 73310106662, 7310106663
अल्ट्रासाउण्ड, सी.टी. स्कैन, डिजिटल एक्सरे की 24 घंटे सुविधा उपलब्ध
- आई0सी0यू0/सी0सी0यू0।
- वेंटीलेटर, ए0बी0जी0ए0, कारडियक मॉनीटर, मल्टीपैरा मॉनीटर की सुविधा।
- C-Arm युक्त वतानुकूलित ऑपरेशन थियेटर।
- ट्रामा स्पोर्ट हेड इन्जुरी का सफल इलाज।
- डिजिटल एक्स.रे, सी.टी. स्कैन, अल्ट्रासाउण्ड (U.S.G.) की सुविधा

आयुष्मान भारत योजना के तहत इलाज उपलब्ध है।
टी.पी.ए. कैशलेस की सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएं:- ए0बी0जी0ए0 मशीन
1. अत्यंत कम वजन के नवजात शिशु एवं समय से पहले जन्में शिशुओं की विशेष देखभाल। 2. नवजात एवं बाल्य गहन चिकित्सा इकाई ;छप्ब्न्द्ध 3. चौबीस घंटे मेडिकल स्टोर, एक्सरे, पैथालॉजी, कैन्टीन की सुविधा। 4. नि:शुल्क एम्बुलेंस की सुविधा। 5. दूरबीन द्वारा पित्त एवं गुर्दे, यूरेटर की पथरी का ऑपरेशन, बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन दूरबीन द्वारा किया जाता है। 6. गहन चिकित्सा इकाई, वेंटीलेटर सुविधा सहित। 7. सभी प्रकार के हड्डी रोग एवं ट्रामा सम्बंधित ऑपरेशन। 8. सिजेरियन ऑपरेशन/डिलेवरी/बच्चेदानी का ऑपरेशन अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर। 9. कार्डियक मीनीटरिंग/इको कार्डियोग्राफी/सोनोग्राफी/टी.एम.टी.

डा. संजय त्रिपाठी
एम.बी.बी.एस., एमडी मेडिसिन
फेलोशिप क्रिटिकल केयर

विजय बाजपेई
मैनेजिंग डायरेक्टर

जिला अस्पताल अयोध्या में दनादन लिखी जा रही बाहर की दवा

» निजी स्कूलों की मनमानी पर क्यों चुप रहते है जनप्रतिनिधि

» एडमिशन फॉर्म, ड्रेस, किताब, स्कूली वाहन और परीक्षा शुल्क के रूप में होती है वसूली

» सांसद विधायक नौकरशाहो के साथ जनप्रतिनिधियों के हैं स्कूल ?महंगी दवाएं लिखने के शौकीन सरकारी डाक्टर साहब

» जेनरिक दवाओं पर भारी महंगी ब्रांडेड दवाएं

» निजी प्रेक्टिस कर रहे सरकारी डॉक्टरों नहीं दिख रहा सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार का खौफ

» बड़ा सवाल-सैलरी सरकारी तो प्रेक्टिस निजी क्यों?

» योगी सरकार के आदेशों की उड़ रही धज्जियां, दलालों का बोलबाला

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जनपद के जिला चिकित्सालय अयोध्या में डॉक्टरों द्वारा मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं के बजाय बाहर की महंगी दवाइयाँ लिखने का मामला सामने आया है। मरीजों और उनके तीमारदारों का आरोप है कि डॉक्टर कमीशन के चक्कर में निजी मेडिकल स्टोर्स से दवाइयाँ लिख रहे हैं, जिससे गरीब मरीजों को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है।

बाहर की दवाइयाँ खरीदने को मजबूर मरीज

जब स्वराज इंडिया संवाददाता जिला चिकित्सालय पहुँचे, तो उन्होंने पाया कि अस्पताल के बाहर स्थित मेडिकल स्टोर्स पर डॉक्टरों द्वारा लिखी गई महंगी दवाइयों की पर्चियाँ मरीजों के हाथों में थीं। मरीजों ने बताया कि अस्पताल में जन औषधि केंद्र होने के बावजूद डॉक्टर बाहर की दवाइयाँ खरीदने को मजबूर कर रहे हैं।

एक मरीज के तीमारदार ने बताया,

सरकारी अस्पताल में इलाज कराने आए थे, लेकिन यहाँ मुफ्त दवा नहीं मिली। डॉक्टर ने बाहर की महंगी दवाइयाँ लिख दीं, जो हमें मेडिकल स्टोर से खरीदनी पड़ी। गरीब मरीजों को इससे भारी दिक्कत हो रही है।

अल्ट्रासाउंड व अन्य जांचों में भी धांधली

सूत्रों के अनुसार, अल्ट्रासाउंड और अन्य पैथोलॉजी जांचों में भी गड़बड़ियाँ हो रही हैं। मरीजों को अस्पताल में जांच की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद, उन्हें बाहरी लैब्स में भेजा जा रहा है, जहाँ पर मोटी रकम वसूली जाती है।

सरकारी आदेशों की अवहेलना, स्वास्थ्य प्रशासन लापरवाह

योगी सरकार ने प्रदेश भर के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा और जांच की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मरीजों को अस्पताल में ही दवा मिले और बाहरी मेडिकल स्टोर्स की मनमानी पर रोक लगे। इसके बावजूद, जिला चिकित्सालय अयोध्या में यह प्रथा थमने का नाम नहीं ले रही है।

एक स्थानीय समाजसेवी राजेश सिंह मानव का कहना है,

सरकार की योजनाएँ सिर्फ कागजों पर चल रही हैं। अस्पतालों में दलाल सक्रिय हैं और डॉक्टर मरीजों को लूटने में लगे हैं। प्रशासन को इस पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

क्या प्रशासन करेगा कोई कार्रवाई?

स्वास्थ्य विभाग से लगातार शिकायतें दर्ज होने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। सवाल उठता है कि क्या जिला चिकित्सालय प्रशासन इस गड़बड़ी को रोकने के लिए कोई कदम उठाएगा या यह भ्रष्टाचार इसी तरह जारी रहेगा?

मरीजों की माँग - दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई

मरीजों और उनके तीमारदारों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से अपील की है कि डॉक्टरों और दलालों के गठजोड़ पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए।

अगर इस पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो मरीजों का सरकारी अस्पतालों से विश्वास उठ जाएगा। जब इस संबंध में चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 विपिन वर्मा को फोन किया गया तो उनका फोन नही उठा।

एडीओ को चाहिए थी होली की मिठाई, प्रधान ने थमाए 500 रुपये तो गुस्साए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पीलीभीत। इंटरलॉकिंग कार्य का निरीक्षण करने के दौरान कोई खामी न मिलने पर एडीओ पंचायत ने ग्राम प्रधान से होली खर्च मांगा। जब प्रधान ने मिठाई के लिए पांच सौ रुपये दिए तो आरोप है कि एडीओ पंचायत गुस्सा गए और एक हैंडपंप रिबोर के बराबर की राशि मांगी। ऐसा न करने पर प्रधान का डोंगल अनरजिस्टर्ड कर दिया है। डीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंडरी मरौरी की प्रधान मुन्नी देवी ने डीएम से की गई शिकायत में बताया कि ग्राम पंचायत के गांव बिलैइया मकरदंपुर में इंटरलॉकिंग का काम हो रहा था। इस कार्य के होने के बाद 12 मार्च को एडीओ पंचायत बिलैइया मकरंदपुर गांव पहुंचे और इंटरलॉकिंग कार्य की गुणवत्ता की जांच की। कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं मिली। इसके बाद एडीओ पंचायत ने उनसे होली का खर्च मांगा। इस पर उन्होंने 500 रुपये दे दिए। इसी पर एडीओ पंचायत नाराज हो गए और फर्जी बिल बनवाने की बात कही। बिल बनाने से मना किया तो इस पर गुस्साए एडीओ पंचायत ने धमकी दी कि अपने रिश्तेदारों से शिकायत कराकर वित्तीय अधिकार सीज करा दूंगा। एडीओ पंचायत ने मनमाने तरीके से पीड़िता का डोंगल अनरजिस्टर्ड कर दिया है। जिससे ग्राम पंचायत का कार्य बाधित है।ग्राम पंचायत पंडरी मरौरी की प्रधान के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जिला स्तरीय टीम द्वारा जांच की जा रही है। होली पर रुपये मांगने का आरोप पूरी तरह गलत है। मामले को डायवर्ट करने के लिए अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं- **हरिश्चंद्र भारती, एडीओ पंचायत बिलसंडा।**

जब राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, सनातन धर्म तभी सेफ

शंखाढाल कार्यक्रम: जीआईसी में छात्रों को टैबलेट और लैपटॉप

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

आगरा। राजामंडी के दरियानाथ मंदिर के कार्यक्रम मे हुई धर्मसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन धर्म की रक्षा और उसके विकास का पाठ पढ़ाया। उन्होंने नाथ संप्रदाय की परंपरा को बताते हुए जनजागरण के इतिहास को भी साझा किया। सीएम ने कहा कि हाल ही में होकर चुके महाकुंभ 66 करोड़ लोग जुटे। अब यहां हो रहे संत समागम में भी संत जुटे हैं। यह एक विशेष अवसर है। आगरा में योगी सिद्धनाथ ने अपने कार्यों से जनजागरण किया था। अब वह हमारे बीच नहीं हैं। मगर, उनके लिए हो रहे इस कार्य से आना अच्छा लगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें सनातन धर्म की रक्षा और उसके विकास की सोच रखनी चाहिए। हम भले ही किसी पूजा पद्धति को अपनाएं। किसी भी मठ या संप्रदाय से जुड़े हों, लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि तभी सुरक्षित रहेंगे जब सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा। सनातन धर्म तभी सुरक्षित रहेगा जब राष्ट्र सुरक्षित रहेगा। केंद्र सरकार के 10 साल और राज्य सरकार के 8 साल पूरे होने के उपलक्ष में मुख्यमंत्री आगरा में 635 करोड़ की 128 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। 400 छात्र छात्राओं को टैबलेट का भी वितरण भी किया।

यूपी में मुसलमान सबसे अधिक सुरक्षितः योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में मुसलमान सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। साल 2017 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से सांप्रदायिक दंगे बंद हो गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई पर खास बातचीत में यूपी के सीएम योगी से सवाल किया गया था कि क्या आपके राज्य में मुसलमान सुरक्षित हैं? इस पर उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में मुसलमान सबसे अधिक सुरक्षित हैं। उन्होंने दोहराया कि सबसे अधिक सुरक्षित हैं। यूपी में अगर हिंदू सुरक्षित हैं तो मुसलमान भी सुरक्षित हैं।

यूपी में मुसलमानों की सुरक्षा पर उत्तर प्रदेश

» 143 करोड़ की सड़कों का लोकार्पण, दरियानाथ मंदिर में हुए अनुष्ठान।

शाही बग्गी पर पुष्प वर्षा

मंदिर में भक्तों द्वारा संतों को शाही बग्गी में बैठा कर पुष्प वर्षा करते हुए कार्यक्रम परिसर तक लाया गया। पूरे मंदिर परिसर को तरह-तरह के फूलों से भव्य सजाया गया है। साथ ही मंदिर परिसर में चित्रकारों की ओर से हाथ से बनाई गई पेंटिंग मन मोह रही हैं। जमात ही नाथ संप्रदाय की संवैधानिक व्यवस्था की बाडी है। जिसके द्वारा शंखाढाल कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 100 हिंदू परिवारों के बीच रहने वाला एक मुस्लिम परिवार सुरक्षित है। उसे अपने सभी धार्मिक कार्य करने की स्वतंत्रता है। लेकिन क्या 100 मुस्लिम परिवारों के बीच अगर 50 हिंदू परिवार भी रहते हैं, तो क्या वे सुरक्षित हो सकते हैं? नहीं रह सकते। बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान आपके सामने उदाहरण हैं...उत्तर प्रदेश में मुसलमान सबसे ज्यादा सुरक्षित हैं। अगर हिंदू सुरक्षित हैं, तो वे भी सुरक्षित हैं।

अगर 2017 से पहले यूपी में दंगे होते थे, तो अगर हिंदुओं की दुकानें भी जलती थीं, तो मुसलमानों की दुकानें भी जलती थीं। 2017 के बाद दंगे बंद हो गए। अब अगर हिंदू सुरक्षित हैं, तो मुसलमान भी सुरक्षित हैं। सीएम योगी ने कहा कि इतिहास में कोई उदाहरण नहीं बता सकता कि किसी हिंदू राजा ने किसी देश पर कब्जा किया हो।

महादेव बेटिंग ऐप मामले में सीबीआई का बड़ा एक्शन

दिल्ली, एमपी-छत्तीसगढ़ में 60 ठिकानों पर रेड

» नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आज बुधवार को महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े एक मामले में छत्तीसगढ़, भोपाल, कोलकाता और दिल्ली में 60 स्थानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में राजनेताओं, सीनियर नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों, महादेव बुक के प्रमुख अधिकारियों और अन्य निजी व्यक्तियों के ठिकानों पर छानबीन की गई है, जो इस अवैध ऑपरेशन में शामिल होने के शक में थे।

महादेव बुक, एक ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर ने प्रमोट किया है, और ये दोनों इस वक्त दुबई में हैं। सीबीआई के अनुसार, जांच में यह सामने आया है कि इन प्रमोटरों ने अपने अवैध नेटवर्क के संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को भारी रकम सुरक्षा शुल्क के तौर पर दी थी।

महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को नवंबर 2024 में दुबई से गिरफ्तार किया गया था, जब इंटरपोल ने उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। यह नोटिस प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुरोध पर जारी किया गया था। सीबीआई ने बताया कि इस मामले में जांच के दौरान महत्वपूर्ण डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य बरामद हुए हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है।

यह मामला पहले आर्थिक अपराध शाखा रायपुर द्वारा दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में छत्तीसगढ़ सरकार ने मामले की गहन जांच के लिए सीबीआईको सौंप दिया। सीबीआई अब इस मामले में वरिष्ठ सार्वजनिक अधिकारियों और अन्य आरोपी व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है।

भूपेश बघेल के ठिकानों पर भी सीबीआई का छापा

आज सुबह सीबीआई ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के आवासों पर भी छापेमारी की। यह छापेमारी महादेव बेटिंग ऐप से संबंधित एक मामले में की गई है। भूपेश बघेल आज दिल्ली के लिए रवाना होने वाले थे, जहां वे कांग्रेस के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ड्राफ्टिंग कमेटी की बैठक में शामिल होने वाले थे। यह बैठक अहमदाबाद (गुजरात) में 8-9 अप्रैल को होने वाली एआईसीसी की बैठक के लिए आयोजित की जा रही है।

भूपेश बघेल के कार्यालय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया, अब सीबीआई आ गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज दिल्ली जाने वाले थे, लेकिन इससे पहले ही सीबीआई रायपुर और भिलाई में उनके निवास पर पहुंच गई।

हजारीबाग में बवाल, धार्मिक जुलूस पर हुई पत्थरबाजी

» हजारीबाग (झारखंड),एजेंसी।

झारखंड के हजारीबाग जिले में हिंसा का मामला सामने आया है। यहां एक धार्मिक जुलूस के दौरान कथित तौर पर पथराव किया गया, जिससे इलाके में तनाव पैदा हो गया। इस घटना की जानकारी देते हुए उपमंडल पुलिस अधिकारी परमेश्वर कामती ने बताया कि घटना मंगलवार रात करीब 11 बजे जामा मस्जिद चौक के पास हुई, जब रामनवमी उत्सव के तहत मंगला जुलूस निकाला जा रहा था। उन्होंने कहा कि दोनों तरफ से पथराव किया गया। लोगों का कहना है कि जुलूस के दौरान सांप्रदायिक गाने बजाए जाने को लेकर विवाद हुआ था।

वहीं, इस घटना को लेकर जानकारी देते हुए एक अन्य अधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हवा में गोलियां चलाईं। पुलिस ने दावा किया कि स्थिति नियंत्रण में है और घटनास्थल पर सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पथराव का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और उन्हें जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, जुलूस के दौरान डीजे पर सांप्रदायिक गाना बजाया जा रहा था। इस दौरान ही विवाद हुआ और पथराव शुरू हो गया। एक तरफ से पथराव शुरू होने के बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने भी पत्थरबाजी शुरू कर दी। इस पत्थरबाजी में कुछ लोगों को चोट आई है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि इस घटना के बाद स्थिति नियंत्रण में है।

भारी पुलिस बल तैनात

घटना के दौरान लगातार हुई पत्थरबाजी की जानकारी पुलिस को मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पहले शांति व्यवस्था कायम की और लोगों को समझाकर घर भेजा गया। इलाके में किसी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पूरा इलाका छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में और इलाके में शांति बहाल कर दीगई है।

राजपूत या किसी समाज का अपमान नहीं: अखिलेश यादव

रामजी लाल सुमन के बयान पर सपा मुखिया की सफाई

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। महाराणा सांगा विवाद पर उत्तर प्रदेश में राजनीति लगातार गहराती जा रही है। राजपूत समाज राणा सांगा के अपमान का मुद्दा उठाकर समाजवादी पार्टी से सफाई की मांग कर रहा था। करणी सेना ने राज्यसभा में बयान देने वाले सांसद रामजी लाल सुमन पर करारा हमला बोल दिया है। यूपी चुनाव 2027 से पहले एक बड़ा वर्ग सीधे तौर पर अखिलेश यादव से नाराज होता दिख रहा है। इसको लेकर अब समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव का बयान सामने आया है। उन्होंने इस पूरे विवाद के पीछे भारतीय जनता पार्टी का हाथ होने की बात कही है। इस मामले को लेकर बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने भाजपा को दरारवादी पार्टी करार देते हुए किसी समाज के अपमान न किए जाने की बात कही है।

राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान पर आया अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय

और समतामूलक समाज की स्थापना में विश्वास करती है। हम कमजोर से कमजोर हर एक व्यक्ति को भी सम्मान दिलाना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य किसी इतिहास पुरुष का अपमान करना नहीं हो सकता। समाजवादी पार्टी मेवाड़ के राजा राणा सांगा की वीरता और राष्ट्रभक्ति पर कोई सवाल नहीं कर रही है। भाजपा ने इतिहास के कुछ विषयों को सदैव राजनीतिक लाभ उठाने के लिए और देश को धार्मिक-जातिगत आधार पर विभाजित करने के लिए इस्तेमाल किया है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे सांसद ने सिर्फ एक पक्षीय लिखे गये इतिहास और एक पक्षीय की गई व्याख्या का उदाहरण देने की कोशिश की है। हमारा कोई भी प्रयास राजपूत समाज या किसी अन्य समाज का अपमान करना नहीं है। आज के समय में बीते कल की मतलब 'इतिहास' की घटनाओं की व्याख्या नहीं की जा सकती।

भड़कीं डिंपल यादव

समाजवादी पार्टी सांसद डिंपल यादव ने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के आवास के बाहर तोड़फोड़ और पथराव पर कहा कि अगर हम उत्तर प्रदेश की स्थिति देखें, जहां सड़कों पर बम फट रहे हैं। वहां महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। यह सरकार की जिम्मेदारी है। अगर ऐसी घटनाएं हो रही हैं, तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। आप युवा पीढ़ी को क्या संदेश देना चाहते हैं? सरकार को इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने सरकार पर सीधा आरोप लगाया। सांसद ने कहा कि कहीं न कहीं यह सरकार की ओर से करवाया गया कृत्य है।